भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या \*377**

(जिसका उत्तर मंगलवार, 3 अप्रैल, 2018/13 चैत्र, 1940 (शक) को दिया जाना है।)

**शेयर बाजार और ऋण बाजार से एफपीआई का बहिर्गमन**

**\*377 श्री सुखेन्दु शेखर रायः**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा जनवरी, 2018 में कितनी धनराशि का निवेश किया गया और फरवरी, 2018 में कितनी धनराशि वापस ले ली गई और तत्संबंधी कारण क्या हैं(

(ख) एफपीआई द्वारा सितम्बर-दिसम्बर, 2017 में ऋण बाजार में कितनी धनराशि का निवेश किया गया और जनवरी से 10 मार्च, 2018 के बीच कितनी धनराशि की बिक्री की गई और इसके क्या कारण हैं**(**

(ग) क्या शेयर बाजार और ऋण बाजार से एफपीआई के बहिर्गमन से हमारी अर्थव्यवस्था पर कोई प्रभाव पड़ा है, और

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या-क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**

**वित्त मंत्री (श्री अरुण जेटली)**

**(क) से (घ):** विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**\*\*\*\***

**"शेयर बाजार और ऋण बाजार से एफपीआई के बहिर्गमन" के बारे में माननीय श्री सुखेन्दु शेखर राय, संसद सदस्य द्वारा पूछे गए 3 अप्रैल, 2018 को उत्तर दिए जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या \*377 के उत्तर में संदर्भित विवरण।**

(क) और (ख): जनवरी 2018 और फरवरी 2018 में इक्‍विटी तथा ऋण में एफपीआई निवेश सारणी 1 के अनुसार हैं:

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **सारणी 1 (रुपए करोड़ में)** | | | | | | |
| माह | इक्‍विटी | | | ऋण | | |
| सकल खरीद | सकल बिक्री | निवल खरीद(+) /बिक्री(-) | सकल खरीद | सकल बिक्री | निवल खरीद(+) /बिक्री(-) |
| जनवरी-18 | 1,32,351 | 1,18,570 | 13,781 | 33,711 | 25,188 | 8,523 |
| फरवरी-18 | 1,07,282 | 1,18,319 | -11,037 | 23,424 | 23,678 | -254 |
| *स्रोत:एनएसडीएल (https://www.fpi.nsdl.co.in/web/Reports/Archive.aspx)* | | | | | | |

सितंबर-17 से – 10 मार्च, 2018 तक ऋण में एफपीआई प्रवाह सारणी 2 के अनुसार हैं:

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **सारणी 2 (रुपए करोड़ में)** | | | |
| **माह** | **ऋण** | | |
| सकल खरीद | सकल बिक्री | निवल खरीद(+) /बिक्री(-) |
| सितंबर-17 | 1,637 | 1,319 | 319 |
| अक्‍तूबर-17 | 32,722 | 16,659 | 16,064 |
| नवबंर-17 | 29,446 | 28,915 | 531 |
| दिसंबर-17 | 23,339 | 20,989 | 2,350 |
| जनवरी-18 | 33,711 | 25,188 | 8,523 |
| फरवरी-18 | 23,424 | 23,678 | -254 |
| मार्च-18\* | 4,474 | 9,269 | -4,796 |
| *\*आंकड़े 10 मार्च, 2018 तक के स्रोत: एनएसडीएल (https://www.fpi.nsdl.co.in/web/Reports/Archive.aspx)* | | | |

अलग-अलग एफपीआई अपने निवेश संबंधी निर्णय स्‍वंय लेते हैं। तथापि, ऐसे कुछ सामान्‍य कारक जो एफपीआई निवेश को प्रभावित करते हैं, उनमें निम्‍नलिखित शामिल हैं:

1. वित्तीय बाजार की मौजूदा स्थिति;
2. प्रस्तावित निवेश से प्रत्याशित भावी प्रतिफल;
3. संबंधित अधिकार क्षेत्र में प्रचलित कराधान संरचना;
4. संबंधित अधिकार क्षेत्र की देश की रेटिंग;
5. संबंधित एफपीआई की जोखिम लेने की क्षमता;
6. संबंधित अधिकार क्षेत्र में मार्केट अवसंरचना;
7. संबंधित अधिकार क्षेत्र के बाजारों में नकदी और अस्थिरता;
8. संबंधित अधिकार क्षेत्र में प्रचलित विनियामक पद्धति;
9. अपने स्‍वयं के अधिकार क्षेत्र और प्रतिस्पर्धी बाजारों में वित्तीय, आर्थिक और मौद्रिक नीति परिदृश्य;
10. संबंधित एफपीआई का निवेश उद्देश्य और अधिदेश;
11. अन्य वैश्विक बृहदआर्थिक और भूराजनीतिक कारक।

(ग) और (घ): इक्‍विटी और ऋण बाजारों में कोई प्रमुख एफपीआई बहिर्गमन नहीं देखा गया है। कलेंडर वर्ष 2017 और 2018 के दौरान निवल खरीद/बिक्री सारणी 3 के अनुसार है। जैसाकि वर्ष के लिए देखा जा सकता है, एफपीआई निवेश अभी सकारात्‍मक हैं।

|  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- |
| **सारणी 3** | | | | |
| **कलेंडर वर्ष** | **करोड़ रुपए** | | | |
| **इक्‍विटी** | **ऋण** | **हाइब्रिड** | **कुल** |
| कुल - 2017 | 51,252 | 1,48,808 | -11 | 2,00,048 |
| कुल - 2018\* | 13,815 | -1,413 | 15 | 12,420 |
| *\* आंकड़े 26 मार्च, 2018 तक के*  *स्रोत: एनएसडीएल (https://www.fpi.nsdl.co.in/web/Reports/Yearwise.aspx?RptType=6)* | | | | |

भारतीय प्रतिभूतियों में एफपीआई निवेशों सहित, विदेश पूंजी निवेश चालू खाता घाटा के निधिपोषण, वित्‍तीय बाजारों में नकदी संवर्धन और सरकारी तथा निजी निकायों द्वारा घरेलू रूप से निर्गमित प्रतिभूतियों के लिए मांग सृजन करने के लिए महत्‍वपूर्ण स्रोत है। फिर भी, यह जानते हुए कि उनके अस्‍थिर स्‍वरूप, सहबद्ध वैश्‍विक व्‍याप्‍त जोखिम एवं इन निवेशों का प्रबंधन करने की लागत के कारण निर्बाध ऋण प्रवाहों को अनुमत करने में बृहदआर्थिक जोखिम हैं, ऐसे निवेशों को विवेकसम्‍मत सीमाओं के भीतर बनाए रखने के लिए समुचित विवेकपूर्ण उपाय किए गए हैं। इनमें किसी एफपीआई द्वारा निवेश की जा सकने वाली पात्र प्रतिभूतियों पर प्रतिबंध, शेयरों, सरकारी प्रतिभूतियों और कारपोरेट बांडों की खरीद के लिए सीमाएं, ऋण प्रतिभूतियों की खरीद के लिए न्‍यूनतम परिपक्‍वता प्रतिबंध तथा दीर्घावधि निवेशकों को प्राथमिकता शामिल हैं।

\*\*\*\*\*